भ्रष्टाचार : 'शाम' को 'सड़क' बनी, 'सुबह' टूट 'गई'

क्षेत्र के बीडीसी रवि चंद्र पांडेय घटिया निर्माण होने की शिकायतें करते रहे, मगर, किसी ने भी नहीं सुनी, सीएम पोर्टल पर फिर की शिकायत

❖ योगीजी देखिए पीडब्लूडी प्रांतीय खंड वाले आप के जीरो टालरेंस की धज्जियां उड़ा रहें ❖ लगभग 69 लाख की सड़क अगर 24 घंटा भी नहीं चलेगा तो फिर सड़क पर पैसा खर्च करने से क्या फायदा ❖ विकास खंड कुदरहा के राम जानकी मार्ग चकदहा से सुअरहा तक 5700 मी. सड़क का मामला ❖ यह उस विभाग के सड़क का सच है, जिसके मानक पर जिले भर में निर्माण कार्य होता

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...इससे बड़ा भ्रष्टाचार और क्या हो सकता है, कि शाम को 69 लाख की सड़क बनती है, और सुबह होते ही टूट जाती हैं। अगर क्षेत्र के लोग दोनों गढढों के चारों को ईंट और पुआल का घेरा न बनाते तो न जाने कितने लोग पुलिया के नीचे गिर कर जख्मी हो जाते है। जब तक गांव वाले बचाव का इंतजाम करते तब तक आधा दर्जन से अधिक बाइक और साइकिल सवार पुलिया के नीचे गिरकर घायल हो चुके थे।

पीडब्लूडी प्रांतीय खंड की यह पहली सड़क और पुलिया होगी, जो बनते ही टूट गई। हैरान करने वाली बात यह है, कि इस सड़क के घटिया निर्माण की षिकायत क्षेत्र बीडीसी रविचंद्र पांडेय विभाग और प्रषासन को कई बार चुके हैं, मीडिया भी इसे उठा चुकी है, बावजूद न तो विभाग जागा और न प्रषासन की ही नींद खुली। जिसका नतीजा पुलिया पर दो बड़े गडढ़े का होना रहा। यह उस पीडब्लूडी प्रांतीय खंड के सड़क और पुलिया का हाल, जिसके मानक पर पूरे जिले में निर्माण कार्य होता हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है, कि नाहक ही योगीजी जीरो टालेरेंस नीति का एचएमवी रिकार्ड देष और विदेश में बजाते रहते हैं, सवाल के लहजे में गांव के राजेंद्र उपाध्याय, मस्तराम राजभर, महेंद्र राजभर, रमाषंकर, श्रीकांत, अमरेंद्र कुमार, नागेंद्र और अवनीश सहित अन्य का पूछतें है, कि अगर योगीजी के जीरो टालरेंस का सच विकास खंड कुदरहा के रामजानकी मार्ग के चकदहा से सुअरहा मार्ग के विलेज रोड है, तो भगवान ही इस नीति का मालिक है। यह सड़क चकदहा, भंगुरा, भिस्वा सुभावपुर, मुरादपुर, मिश्रौलिया, मिर्जापुर, सुअहरा, चरकैला का मुख्य मार्ग है।

गांव वालों का कहना है, कि ठेकेदार कमल कुमार के द्वारा रात के अंधेरे में जैसे तैसे काम कर दिया गया, जिसका नतीजा रहा कि सड़क चैबिस घंटे भी नहीं चली और सुबह होते ही टूट गई और उस पर गढ्ढा हो गया जिसमें गिरकर राहगीर चोटिल हो रहे हैं और अगर ऐसे ही रहा तो कभी भी कोई भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस टूटी सड़क को देखकर नहीं लगता कि कभी इस सड़क की गुणवत्ता को देखने, जेई, एई और एक्सईएन आए होगें। इन्हें आने की इस लिए जरुरत नहीं पड़ती, क्यों कि इन्हें 12 फीसद बखरा घर बैठे मिल जाता है। अगर ठेकेदारों की बात की जाए तो इन लोगों का कहना है, कि तब 30 फीसद बिलो पर टेंडर पड़ेगा और 12 फीसद बखरा देना पड़ेगा तो सड़क रात भर चल जाए तो बड़ी बात है। कहने का मतलब अगर बिलो रेट, बखरा और ठेकेदार लाभांस को जोड़ दिया जाए तो बखरा का हिस्सा 50 फीसद से अधिक हो जाता है। जाहिर सी बात है, कि पचास हजार में एक लाख रुपये का काम तो होगा नहीं, तो जाहिर सी बात है, कि कहीं सड़क धंसेगी तो कहीं पुलिया धंसेगा। यह भी सही है, कि पीडब्लूडी में बखरा सबसे कम लिया जाता हैं।

12 फीसद बखरा लेने की परम्परा सालों से चली जा रही है, हां अगर 30-35 बिलो टेंडर नहीं पड़ता तो इस विभाग में भी जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायतों की तरह 40-50 फीसद बखरा पहुंच जाता। भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ अफसरों की ही नहीं हैं, बल्कि सबसे अधिक जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की है, और जिले के जनप्रतिनिधियों की यह हाल है, कि इन्हें खुद अपनी निधियों में 50 फीसद तक बखरा चाहिए, और अगर कहीं दूधराम, कविंद्र चैधरी, महेंद्र यादव, राजेंद्र चैधरी और अजय सिंह की तरह गेट का विकास करना है, तो बखरा का कोई बखरा नहीं है।

'शैक्षिक' भ्रमण पर 'निकली' कस्तूरबा की 200 'छात्राएं'

डीएम ने तीन बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

तेजयुग न्यूज

बस्ती। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पढ़ रहे 200 छात्र छात्राओं का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम को डीएम आंद्रा वामसी ने महात्मा बुद्ध महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर एवं असफाक उल्लाह खा प्राणी उद्यान गोरखपुर के लिए तीन बसों को प्रातः 9 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भ्रमण पर जाने वाले छात्र छात्राओं ने डीएम को पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया गया। डीएम के द्वारा बच्चो को गोरखपुर और कुशीनगर के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और उसके पुरातात्विक महत्व को भी समझाया गया, सभी बच्चे भ्रमण पर जाने और डीएम को अपने बीच पाकर अति प्रसन्न हुए। बच्चों को डीएम की ओर से चाकलेट, लंच पैकेट, पानी, फ्रूटी दिया गया।

भ्रमण पर जाने वाले छात्र छात्राओं ने डीएम को पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया

विभाग का यह कार्यक्रम बच्चो में एक नव ऊर्जा का संचार और अभिभावकों में गहरा विश्वास पैदा करता है। गत वर्ष भी डीएम के द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी। इस अवसर पर विभाग के मुखिया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी की अगुवाई में बसों में सभी बच्चों को बैठाया गया। भ्रमण कार्यक्रम के नोडल जिला समन्वयक समेकित शिक्षा सुनील कुमार त्रिपाठी और खंड शिक्षा अधिकारी दुबौलिया विजय आनंद की देखरेख में संपन्न करने के लिए बीएसए द्वारा निर्देशित किया गया है। सभी बच्चे पूर्ण गणवेश, कार्ड और सफेद रंग की टोपी धारण किए हुए थे। बच्चो के साथ अन्य शिक्षको को भी भेजा गया है जिसमें अंबिका पांडेय, रामशंकर पांडेय, शिक्षक राघवेंद्र राय, शेषनाथ यादव, अजीत चैधरी, यशवंत यादव, वार्डन माधुरी त्रिपाठी, रंजना सिंह, रीना, रेनू, नीलम पांडेय, शिक्षिका प्रज्ञा गुप्ता, रीना कुमारी, दिव्या, सीमा रानी, प्रभावती देवी आदि के साथ बच्चों को भेजा गया।

'एमएलसी' से लगाई 'पीड़ित' पत्रकार 'विजय' ने 'न्याय' की 'गुहार'

एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने का दिया आश्वासन

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...कलवारी थाने की पुलिस के हाथों मारखाने वाले दैनिक 'तेजयुग अखबार' के पत्रकार 'विजय कुमार' ने एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह से न्याय की गुहार लगाई हैं। यह पत्र, पत्रकार और स्नातक मतदाता होने के कारण लिखा गया। एमएलसी ने आरोपी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने और न्याय दिलाने का आष्वासन दिया है। लिखे पत्र में आप बीती बताते हुए कहा कि किस तरह नौ मार्च 24 को थाना दिवस के दिन कवरेज करने गए पत्रकार को सिपाही राजेश सिंह और सर्वेश सोनकर सहित अन्य सिपाहियों के द्वारा उसे पकड़कर कमरे में ले जाया गया, और कमरा बंदकरके बेरहमी से इस लिए पीटा गया, क्यों कि पुलिस वाले नहीं चाहते थे, कि जहरीला पाउडर खाने वाली महिला का वीडियो वायरल हो।

पत्रकार और स्नातक चुनाव का मतदाता होने के नाते एमएलसी को लिखा पत्र

हैरान करने वाली बात यह है, कि परिचय देने के बाद भी पुलिस वालों ने उसे एसओ और नायब तहसीलदार स्वाती सिंह की मौजूदगी में पिटा। कानून को हाथ में न लेने की नषीहत देने वाले जब खुद कानून को हाथ में लेने लगेंगे, और एक निरीह पत्रकार को गुंडों की तरह मारने लगेगें, तो फिर पत्रकारों की सुरक्षा कौन करेगा? इस सवाल का जबाव सूबे के मुखिया को देना चाहिए। यह वही पत्रकारगण हैं, जो पुलिस का गुडवर्क लिखते हैं, और जब पीसी के लिए बुलाते हैं, यह चले जाते है। अगर, इसी तरह कवरेज करने वाले पत्रकारों के साथ पुलिस व्यवहार करती रहेगी तो इनमें और अपराधियों में क्या फर्क रह जाएगा। अगर, पुलिस वाले यही व्यवहार किसी अपराधी के साथ करते तो यही मीडिया उनकी जय-जयकार करती। पुलिस को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उसे भी कानून को हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

कहा जा रहा है, कि अगर घटना के समय पत्रकार ने कानून को तोड़ा या फिर कोई अपराध किया होता तो भी पुलिस को मारने पिटने का कोई अधिकार नहीं है। बार-बार यह सवाल उठ रहा है, कि आखिर कोई पत्रकार थाने में घुसकर कौन सा अपराध करेगा कि उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बजाए उसे कमरे में बंदकरके मारा पिटा जाए। इस घटना की निंदा पूरे मीडिया जगत में तो हो ही रही है, साथ ही जनप्रतिनिधियों और समाज के कई वर्गो के द्वारा भी इसकी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही हैं। घटना के समय एसओ और नायबतहसीलदार का खामोष रहना और पुलिस की पींठ ठोंकना पुलिस को बढ़ावा देने जैसा है।

बार-बार कहा जा रहा है, कि दोषी सिर्फ वे सिपाही ही नहीं हैं, जिनपर मारने पिटने का आरोप लगा है, दोषी एसओ और एनटी भी है। इस मामले में एसपी की ओर से उठाए गए कदम कर सराहना मीडिया कर रही है, और उम्मीद करती है, कि वह शीघ्र ही अन्य दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें।

निःशुल्क 'धार्मिक' यात्रा पर जा 'सकेंगे' सीनियर 'सिटीजन' : नीलम सिंह

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने के बाद अब उन्हें निःषुल्क धार्मिक यात्रा पर भेजने की योजना नगर पंचायत नगर की चेयरपर्सन नीलम सिंह ने बनाई है। इसकी शुरुआत भी बुद्वार से हो गई हैं, और प्रथम चरण और प्रथम माह में 30 श्रद्धाओं को श्रीराम धाम भेज कर किया। इस अवसर पर कहा कि अब क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्येक माह निःशुल्क धार्मिक यात्रा कराई जाएगी। इसके तहत 30 श्रद्धालु अयोध्या, मखौड़ा और वशिष्ठ आश्रम की एक दिवसीय निःशुल्क यात्रा पर जा सकेंगे। बताया कि धार्मिक यात्रा पर जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत कर दी गई हैं।

प्रतिमाह 30 श्रद्धालु अयोध्या, मखौड़ा और वशिष्ठ आश्रम की एक दिवसीय निःशुल्क यात्रा पर जा सकेंगें

बुजुर्ग नागरिकों के लिए यह नगर पंचायत की ओर से सौगात : राना दिनेश

उन्होंने इसे भगवान श्री राम का बाल कॉरिडोर बताते हुए कहा कि अयोध्या नरेश महाराज दशरथ द्वारा किए गए पुत्रेष्टि यज्ञ स्थल मखौड़ा धाम, पांच वर्षीय बालक स्वरूप श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर और शिक्षा दीक्षा संस्कार प्रदान करने वाली पवित्र भूमि महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी बस्ती धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमती राना ने बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को यह यात्रा सुबह 08 बजे नगर स्थित पौराणिक श्री दुर्गा मंदिर से प्रारम्भ होगी। प्रत्येक सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय पर रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदक को स्वयं आना होगा। एक व्यक्ति केवल एक आवेदन फार्म जमा कर सकेगा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने इसे बुजुर्ग नागरिकों के लिए सौगात बताते हुए कहा कि भगवान श्री राम का संपूर्ण जीवन एक आदर्श है।

उन्होंने नगर को देश के नक्शे में स्थापित कर एक मॉडल नगर पंचायत बनाने के लिए कार्ययोजना पर अमल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी की सरकार भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर देश की सांस्कृतिक विरासत मजबूत कर रही है। इस अवसर पर सभासद विजय जायसवाल, राजेश पाण्डेय, राज कुमार चैधरी, विंदू लाल, अखिलेश यादव, विजय साहनी, दिनेश चैरसिया, बिरेंद्र कुमार, संदीप कुमार, सत्यराम निषाद, राकेश पाण्डेय, धर्म प्रकाश श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

दो पक्षों में मारपीट, मुकदमा दर्ज

तेजयुग न्यूज

लालगंज/रायबरेली : गोविंदपुर वलौली निवासी दिनेश दिवाकर पुत्र राम अधार की शिकायत पर लालगंज पुलिस ने बेहटा चौराहा लालगंज निवासी दीपक पुत्र राम लखन ,रानीपुर निवासी शिवेंद्र यादव , कुम्हरौड़ा निवासी अभिषेक सिंह ,छोटू सिंह ,मयंक दीक्षित और हरीपुर निवासी सूरज सिंह के खिलाफ मारपीट के आरोप में हरिजन एक्ट का मामला दर्ज किया है ।दिनेश दिवाकर ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल से बेचू का पुरवा निमंत्रण में गया हुआ था ,वहीं पर रास्ते में रोक कर प्रति पक्षी गणों ने उसे जाति सूचक गालियां दी और जमकर मारा पीटा । साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी ।मामले में पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया है। मामले की विवेचना सीओ लालगंज के द्वारा की जा रही हैं।

'प्लान' बनाकर होगा 'गनेशपुर' नगर पंचायत का 'विकास': सोनमति चौधरी

मुख्य सड़क, जल निकासी के लिए नाला/नालियों का निर्माण, विधुत पोल, जर्जर तार व पुराने ट्रांसफार्मर की जगह नए ट्रांसफार्मर की स्थापना प्राथमिकता के आधार पर होगा

तेजयुग न्यूज

बस्ती। नगर पंचायत गनेशपुर की चेयरपर्सन सोनमति चौधरी ने बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नगर पंचायत का समुचित विकास फुलप्रूफ प्लान बनाकर किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्लान बनाकर नगर पंचायत गनेशपुर का समुचित विकास किया जाएगा।

अपनी भावी योजनाओं को विस्तार से जानकारी देते हुए चेयरपर्सन ने बताया कि मुख्य सड़क व जल निकासी के लिए नालों और नालियों का निर्माण, विधुत पोल, जर्जर तार व पुराने ट्रांसफार्मर की जगह नए ट्रांसफार्मर की स्थापना प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे। बताया कि जल निकाली के लिए जल निगम और विधुत की समस्या के लिए विधुत विभाग को पत्र लिखकर उनसे सहयोग मांगा जाएगा। बताया कि जल संरक्षण के लिए ताल पोखरों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराकर जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए उपयोग में लाया जाएगा एवं तीन नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की जाएगी। बैठक का संचालन करने वाले अधिशाषी अधिकारी शिव प्रताप सिंह ने कहा कि शासन के मंशानुरूप सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा।

जल संरक्षण के लिए ताल पोखरों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा, तीन नए आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना होगी

बैठक में मुख्य रूप से दुर्गा प्रसाद चैधरी, मो.आरिफ, रिंकू यादव, सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद, मो.फरहान, इंद्रजीत यादव, मो.फारूक, सुमन, गणेश कुमार, शिवनारायण, दुर्गेश कुमार, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो.मुख्तार सहित अन्य मौजूद रहे।

'पंकज दूबे' को मिला 'न्याय', 'एफआईआर' हुआ 'निरस्त'

एक नेता के ईशारे पर तेज आवाज में कीर्तन करने के आरोप में चौकी इंचार्ज कंपनी बाग सुनील गौड़ की तहरीर पर दर्ज हुआ था मुकदमा

विवेचक व कोतवाल पर चैकी और कोतवाली बुलाकर सादे पेपर पर हस्ताक्षर न करने पर मारने, पीटने और गाली देने का आरोप लगाया

दोनों ने कहा कि बस्ती छोड़कर चले जाओं नही तो पूरा परिवार परेशान हो जाएगा

अमहट घाट के शिवमंदिर पर विवेचक ने प्रसाद खाया, और जाकर एफआईआर दर्ज करवाई

हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया एफआईआर को गलत बताते हुए निरस्त करने का आदेश दिया

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...पुलिस चाहें कलवारी थाने की हो या फिर चाहें कोतवाली की हो, सभी एक जैसे है। यह लोग राजनेताओं के कहने पर खानाखाते और उनके ही कहने पर सुबह बाथरुम जाते है। यह राजनेता व्यक्तिगत दुष्मनी निकालने के लिए एक निर्दोष को जेल भेजवाने भी नहीं हिचकते है। नेताओं के कहने पर पुलिस फर्जी मुकदमा तक दर्ज करती है, और अगर कोर्ट न हो तो किसी को न्याय ही नहीं मिलेगा। इसी तरह की घटना पंकज दूबे के साथ भी घटी, कौन नहीं जानता कि इनके और नेताजी के बीच क्या चल रहा है। पुलिस इनसे कहती है, कि पंकजजी आप भले ही सही है, लेकिन हमारे उपर इतना दबाव है, कि हम्हें आप के खिलाफ मुकदमा लिखना ही होगा। बात अगर मुकदमें तक की होती तो समझ में आता।

हद तो बड़ेबन चैकी इंचार्ज और तत्कालीन कोतवाल ने तब कर दी, जब पंकज दूबे को चैकी और कोतवाली बुलाकर उनसे सादे कागज पर हस्ताक्षर करवाना चाहा, जब हस्ताक्षर नहीं किया तो उन्हें मारापीटा गया, और जबरिया हाथ पकड़कर हस्ताक्षर करवा लिया। हस्ताक्षर करवाने से पहले यह कहा गया कि अगर हस्ताक्षर नहीं करोगें तो इतनी धारा लगा दूंगा, कि पांच लाख जुर्माना देना पड़ेगा और पांच साल के लिए जेल की हवा अलग से खानी पड़ेगी। यह भी कहा गया कि नेताजी से समझौता कर लो या फिर चार-पांच माह के लिए जिला बदर हो जाओ, नही तो पूरा परिवार तबाह हो जाएगा।

> **13.** In view of the above conclusion, the F.I.R. dated 30.01.2024 registered as Case Crime No.44 of 2024, under Section 188 I.P.C., P.S.- Kotwali, District- Basti, is hereby quashed. However, it is open to concerned court to file a written complaint against the petitioners u/s 188 I.P.C. as per Section 195(1) Cr.P.C., if there is no legal impediment.
>
> **14.** With the aforesaid observation, the writ petition is ***allowed.***

पंकज दूबे की गलती इतनी है, कि उन्होंने कीर्तन का आयोजन किया था, इसके लिए एसडीएम की ओर से परमिषन भी मिला। आयोजन स्थल पर चैकी इंचार्ज कंपनी बाग आए भी प्रसाद भी खाया, और जाकर तेज आवाज बजाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर दिया, जब कि चैकी इंचार्ज खुद अपने हाथ से आवाज कम करके गएं थे।

एफआईआर की जानकारी पंकज को दूसरे दिन अखबार के जरिए हुई। इसके बाद षुरु हुई पंकज की मुसीबत। एफआईआर 30 जनवरी 24 को दर्ज हुआ। इसके विवेचक चैकी इंचार्ज बड़ेबन बनाए गए। हाईकोर्ट में दाखिल अर्जी के अनुसार चैकी इंचार्ज उन्हें दो फरवरी 24 को चैकी पर बुलाया, पहले तो सभ्य नागरिक की तरह बात किया, लेकिन उसके बाद पुलिसिया जैसा व्यवहार करने लगे। उन्होंने पकंज से गलत पते वाले कागज पर हस्ताक्षर करवाना चाह रहें थे, लेकिन जब उन्होंने नहीं किया तो जो प्रसाद के साथ में हनुमान चालिसा का किताब मिला था, उसे फाड़ते हुए कहा कि हम्हें सादे कागज पर हस्ताक्षर करवाना आता है। फिर वह पंकज को गाड़ी में बैठाकर कोतवाली के लिए चल पड़े। रास्ते भर वह धमकाते रहे कि अगर हस्ताक्षर नहीं किया तो धारा बढ़वा दूंगा। रास्ते भर गाली देते रहे। कोतवाली जब लेकर पहुंचे तो वहां पर कोतवाल और चैकी इंचार्ज ने फिर से इनसे सादे कागज पर हस्ताक्षर करवाना चाहा।

भददी-भददी गालियां दी मारापीटा भी, उसके बाद भी जब हस्ताक्षर नहीं करवा पाए तो पंकज का हाथ पकड़कर जबरिया हस्ताक्षर करवा लिया। बंद कमरे में कोतवाल ने पंकज से पूछा कि तुम्हारा और नेताजी की क्या लफड़ा हैं, समझौता कर लो वरना पूरा परिवार परेषान हो जाएगा। उसके बाद एफआईआर की कापी भी नहीं दी गई, 15 दिन तक दौड़ाते रहे। जब एफआईआर की कापी मिल गई तो उसे लेकर वह हाईकोर्ट चले गए। जहां पर हाईकोर्ट ने एफआईआर को ही निरस्त कर दिया। क्या आप को लगता है, कि पुलिस हम लोगों की सुरक्षा के लिए है। जबाव न में होगा, यह भी जबाव होगा कि पुलिस आम आदमी के लिए नौकरी नहीं करती बल्कि नेताओं के ईशारे पर काम करती है। यही सच है।